न्यूज डायरी

चीन पर बड़ा ऐक्शन, डोनाल्ड ट्रंप का फैसला, 24 घंटे में बैन होगा टिकटाक

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) वॉशिंगटन। चीन के साथ बढ़ते तनाव और उसके खिलाफ लगे जासूसी के आरोपों के बीच अमेरिका ने एक बड़ा फैसला किया है। भारत की तर्ज पर अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने फैसला किया है कि देश में चीनी वीडियो शेयरिंग मोबाइल ऐप टिक–टॉक को बैन कर दिया जाएगा। इसके लिए जल्द ही कार्यकारी निर्देश लाया जाएगा। वहीं, ऐसी खबरें भी आ रही हैं कि अग्रणी टेक कंपनी डपबतवेवजि इसे अमेरिका में ऑपरेशन्स को खरीद सकती है। बता दें कि भारत दो बार में 106 चीनी मोबाइल ऐप्स को बैन कर चुका है। डोनाल्ड ट्रंप के फैसले का बारे में एएफवन ने बताया है कि जहां तक टिक–टॉक की बात है, उसे अमेरिका में बैन कर दिया जाएगा और हो सकता है कि शनिवार को इसे लेकर कार्रवाई कर दी जाए। इससे पहले ट्रंप ने कहा था, हम कुछ और चीजें कर सकते हैं, कई विकल्प हैं लेकिन बहुत सी चीजें हो रही हैं इसलिए हम देखेंगे कि क्या होता है लेकिन हम टिक–टॉक को लेकर कई विकल्प देख रहे हैं।

बिटकॉइन स्कैम के लिए 17 साल के लड़के ने बनाया प्लान, साथियों समेत गिरफ्तार

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) फ्लोरिडा। बिल गेट्स, इलॉन मस्क, कान्ये वेस्ट, बराक ओबामा और जो बाइडेन जैसी हस्तियों के ट्विटर अकाउंट्स पर हुए अटैक ने पूरी दुनिया को हैरानी में डाल दिया था। इसके पीछे दिमाग था फ्लोरिडा के एक 17 साल के लड़के का जिसे अब जेल में डाल दिया गया है। इस लड़के के ऊपर 30 आरोप लगाए गए हैं। ये ट्विटर अटैक बिटकॉइन स्कैम को प्रमोट करने के लिए किया गया था। इस मामले में एफबीआई और डिपार्टमेंट ऑफ जस्टिस ने पूरे देश में छानबीन की थी जिसके बाद लड़के को गिरफ्तार कर लिया गया। फ्लोरिडा के टैंपा के रहने वाले इस लड़के पर खिलाफ संस्थागत फर्जीवाड़ा, कम्यूनिकेशन फ्रॉड, पहचान चुराने और हैकिंग जैसे आरोप लगे गए हैं। हिल्सबरो स्टेट अटर्नी ऐंड्रू वॉरन ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में यह जानकारी दी है। उन्होंने इस लड़के को इस हमले का मास्टरमांड बताया है।

अमेरिका के अलास्का में दो विमानों की टक्कर में 7 लोगों की मौत

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) वाशिंगटन। अमेरिकी राज्य अलास्का में हवा के बीचों बीच दो विमानों की भीषण टक्कर हो गई। इस हादसे में विमान में सवार सभी 7 लोगों की जान चली गई। मरने वालों में एक स्टेट लॉ मेकर भी शामिल था और दोनों में से एक विमान को उड़ा रहा था। जानकारी के मुताबिक, जिस लॉ मेकर की हादसे में मौत हुई है वह विमान में अकेले थे जबकि दूसरा विमान साउथ कारोलीना से 4 टूरिस्टों को लेकर जा रहा था। इस विमान में पायलट के अलावा एक गाइड भी था। हादसा इतना भयानक था कि दोनों विमान में मौजूद सभी की जान चली गई। टक्कर के बाद विमान का मलबा हाइवे पर गिरा जिसके बाद ऐहतियाती तौर पर हाइवे को बंद कर दिया गया है। स्टेट लॉ मेकर की पहचान 67 साल के लॉप के तौप पर हुई है। उनकी मौत पर उनके साथियों ने दुख जताया है।

चीन, पाकिस्तान, अफगानिस्तान के साथ मिलकर क्षेत्रीय गुट बनाने का कोई इरादा नहीं

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) काठमांडू। कोरोना के नाम पर दक्षिण एशिया के तीन देशों नेपाल, अफगानिस्तान और पाकिस्थान के विदेश मंत्रियों के साथ चीन की बैठक के बाद कुछ ही दिन बाद शुक्रवार को नेपाल ने कहा कि वह गुटनष्रिपेक्ष रहेगा। नेपाल के विदेश मंत्री प्रदीप ज्ञवली ने चारों देशों को मिलाकर उपक्षेत्रीय गुट बनाने के विचार को खारिज कर दिया। इसी बैठक में चीन ने नेपाल और अफगानिस्तान को अपने आयरन ब्रदर पाकिस्तान की तरह से बनने के लिए कहा था। नेपाल के विदेश मंत्री प्रदीप ज्ञवली ने कहा, चार देशों के साथ वर्चुअल कान्फ्रेंस पूरी तरह से कोरोना वायरस पर सहयोग को लेकर थी। यह अनावश्यक और गलत होगा कि इन चारों देशों के बीच किसी अन्य तरह का समन्वय किया जाए।

भारत के खिलाफ टिप्पणी कर अपने ही देश में घिरे ओली

चीन को खुश करने के लिए भारत विरोधी बयान दे रहे हैं पीएम ओली

विरोध

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

काठमांडू। चीन को खुश करने के लिए एक के बाद एक भारत विरोधी बयान देने वाले नेपाली प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली का अब अपने ही देश में विरोध तेज होता जा रहा है। एक तरफ सत्ता छोड़ने के लिए पीएम ओली पर दबाव बढ़ता जा रहा है, वहीं भारत को लेकर वह अपनी ही पार्टी में घिरते जा रहे हैं। सत्ताधारी कम्युनिस्ट पार्टी के एक वरिष्ठ नेता ने कहा है कि ओली ने हाल में 'कूटनीति के स्थापित मानकों के विपरीत' 'चिढ़ाने वाले' भारत विरोधी बयान देकर तीन गलतियां की हैं।

पिछले महीने, प्रधानमंत्री ओली ने आरोप लगाया था कि भारत उनके राजनीतिक प्रतिद्वंद्वियों के साथ मिलकर उन्हें सत्ता से बाहर करने की साजिश कर रहा है। उनका यह बयान नेपाल द्वारा एक नया नक्शा मंजूर करने के लिए एक विधेयक पारित करने के बाद आया जिसमें

नेपाल और भारत के बीच विवाद के केंद्र रहे इलाके – लिपुलेख दर्रा, कालापानी और लिंपियाधुरा को नेपाल के क्षेत्र के तौर पर दिखाया गया था। ओली ने उसके बाद इस महीने यह दावा करके एक नया विवाद उत्पन्न कर दिया कि 'असली' अयोध या भारत में नहीं बल्कि नेपाल में है और भगवान राम का जन्म दक्षिण नेपाल के थोरी में हुआ था।

'ओली के बयान कूटनीति के स्थापित मानकों के विपरीत': ओली की टिप्पणी पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कम्युनिस्ट पार्टी आफ नेपाल (सीपीएन) के प्रवक्ता और सेंट्रल सेक्रेटैरिएट के सदस्य नारायणकाजी श्रेष्ठ ने प्रधानमंत्री ओली के बयानों को 'कूटनीति के स्थापित मानकों के विपरीत' करार दिया। उन्होंने कहा,' प्रधानमंत्री ओली ने भारत के खिलाफ चिढ़ाने वाले बयान देकर एक बहुत बड़ी गलती की, ऐसे समय में जब सीमा मुद्दे को (दक्षिणी पड़ोसी के साथ) बातचीत के जरिये सुलझाने की जरूरत है।'

प्रवक्ता ने 'हिमालयन टीवी' के साथ एक साक्षात्कार में कहा, 'प्रधानमंत्री ओली द्वारा भारत के राष्ट्रीय चिह्न का उल्लेख करते हुए चिढ़ाने वाले बयान देकर कालापानी और लिपुलेख की विवादित भूमि पर दावा करना एक गलती थी।' उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ओली ने भारत के संबंध में तीन गलतियां की, हालांकि सरकार द्वारा एक नया नक्शा जारी करके कालापानी और अन्य क्षेत्रों पर किया गया दावा सराहनीय था।

ओली ने भगवान राम की जन्मभूमि को नेपाल में बताया: नारायणकाजी ने कहा कि पहली गलती भारत के चिह्न 'सत्यमेव जयते' के बारे में चिढ़ाने वाले तरीके से बोलकर की गई, दूसरी गलती भारत पर अपनी सरकार को गिराने की साजिश रचने के लिए दोष मढ़ना था जो कि निराधार है, और तीसरी गलती उन्होंने यह दावा करके की कि भगवान राम की जन्मभूमि अयोध्या नेपाल के बीरगंज के पास स्थित है।

पाकिस्तानी सेना की राह पर बढ़ रही है नेपाली सेना

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

काठमांडू। चीन और पाकिस्तान के साथ दोस्ती बढ़ा रहे नेपाल की सेना भी अब पाकिस्तानी सेना की राह पर बढ़ती दिखाई पड़ रही है। नेपाल की सेना पाकिस्तान की सेना की तरह से बिजनस करना चाहती है। दरअसल, नेपाली सेना ऐसे बिजनस में निवेश करना चाहती है जिसमें उसको जमकर कमाई हो। नेपाली सेना के कारपोरेट आर्मी बनने का देश के अंदर ही भारी विरोध शुरू हो गया है।

काठमांडू पोस्ट की रिपोर्ट के मुताबिक द नैशनल डिफेंस फोर्स ने एक ड्राफ्ट बिल पेश किया है ताकि नेपाली आर्मी एक्ट को बदला जा सके। नेपाली सेना ने अपने कल्याणकारी फंड को विभिन्न बिजनस के अंदर प्रमोटर के रूप में निवेश करने के लिए कानूनी सलाह मांगी है। इसके लिए पिछले कई साल से नेपाली सेना अपना पूरा जोर लगाए हुए है।

नेपाली सेना के कानूनी मामलों के प्रभारी रंत प्रकाश थापा ने कहा कि उन्हें उम्मीद है कि उनके ड्राफ्ट बिल को संसद से स्वीकृति मिलने से पहले सरकार अपनी सहमति दे देगी। नेपाल के वर्तमान कानूनों के मुताबिक सेना को उद्योगों, कंपनियों और पनबिजली परियोजना जैसे आधारभूत ढांचे के प्रॉजेक्ट में निवेश करने पर पाबंदी है।

कोरोना का इतना खौफ, अवन में जला दिए खरबों डॉलर

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) दक्षिण कोरिया। कोरोना वायरस से जूझ रहे दक्षिण कोरिया में इस महामारी को लेकर लोगों में इतना ज्यादा खौफ फैल गया कि उन्होंने 2.25 ट्रिल्यन डॉलर मूल्य के नोटों और सिक्कों को नष्ट कर दिया। दक्षिण कोरिया के लोगों ने कोरोना वायरस से बचने के के लिए इन नोटों को वॉशिंग मशीन में डाल दिया जिससे वे खराब हो गए। यही नहीं कई तो ऐसे थे जिन्होंने नोटों की गड्डी ही अवन में डाल दी। इससे नोट काफी जल गए। अब दक्षिण कोरिया के रिजर्व बैंक को इन खरबों डॉलर के नोटों से जूझना पड़ रहा है। दक्षिण कोरिया के रिजर्व बैंक कहे जाने वाले बैंक ऑफ कोरिया ने शुक्रवार को कहा कि पिछले छह महीने में वर्ष 2019 की अपेक्षा लोगों ने 3 गुना ज्यादा जले हुए नोट बदले हैं।

कोरोना महामारी के बीच चीन ने मांगा मालदीव से अपना पैसा

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

माले। कोरोना वायरस महामारी से जूझ रही मालदीव सरकार के सामने एक बड़ा संकट आ गया है। चीन के एक्सपोर्ट–इम्पोर्ट (एक्जिम) बैंक ने राष्ट्रपति इब्राहिम सोलिह की सरकार से कहा है कि वह 10 मिलियन डॉलर की रकम चुकाए। ऑब्जर्वर रिसर्च फाउंडेशन के एन साहित्य मूर्ति के अनुसार, शायद यह रकम सन ग्रुप को दिए गए 127 मिलियन डॉलर के कर्ज की किश्त है जो संप्रभु गारंटी के तहत दिया गया था। मालदीव की आर्थिक स्थिति पहले से खस्ता है। अगर वह कर्ज चुकाने से मना करता है तो उसकी साख पर बट्टा लगेगा।

कर्ज के जाल में चीन का नया शिकार मालदीव

अगर चुकाता है तो उससे करेंसी की वैल्यू गिरेगी और फॉरेन ट्रेड पर असर पड़ेगा।

चीन के जाल में फंस गया मालदीव: आमतौर पर संप्रभु गारंटी सरकारों और सरकारी उपक्रमों को ही मिलती है। चीन ने संप्रभु गारंटी के तहत कुल 9 बिलियन डॉलर के कर्ज बांट रखे हैं, उनमें से सन ग्रुप को छोड़कर बाकी सब सरकारी उपक्रम हैं।

संप्रभु गारंटी के तहत डिफॉल्ट पर राज्यदेश को कर्ज चुकता करना पड़ता है। अगर सोलिह की सरकार कर्ज चुकाने से मना करती है तो इससे ग्लोबल क्रेडिट मार्केट्स में मालदीव की साख पर असर पड़ सकता है।

टैक्स कलेक्शन बेहद कम, कहां से चुकाएगा कर्ज: चीन की तरफ से मालदीव को कुल कितना कर्ज दिया गया है, उसका कोई ऑफिशियल डेटा नहीं है। नवंबर 2018 में मालदीव के पूर्व राष्ट्रपति मोहम्मद नशीद ने कहा था कि मेरे पास जितनी जानकारी है, अकेले चीन का कर्ज 3 बिलियन डॉलर है। मालदीव साल में 1 बिलियन डॉलर से भी कम टैक्स कलेक्ट करता है। इसी साल वर्ल्ड बैंक की एक रिपोर्ट आई थी जिसमें कहा गया था कि चीन ने मालदीव के लिए कर्ज की किश्त कम कर दी है।

अमेरिका ने शिनजियांग में मानवाधिकार हनन के लिए चीन पर लगाए प्रतिबंध

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) वाशिंगटन। ट्रंप प्रशासन ने जातीय और धार्मिक अल्पसंख्यकों के खिलाफ कथित मानवाधिकार हनन के लिए चीन के पश्चिम शिनजियांग क्षेत्र में एक प्रमुख अर्द्धसैन्य संगठन और उसके कमांडर पर शुक्रवार को प्रतिबंध लगाए।विदेश और वित्त विभागों ने पाबंदियों की घोषणा की। साथ ही व्हाइट हाउस ने कोरोना वायरस वैश्विक महामारी के कारण स्थानीय सरकार के चुनाव स्थगित करने के लिए हांगकांग में अधिकारियों की निंदा की।

चुनाव में देरी को लेकर आलोचना ऐसे वक्त में की गई है जब एक दिन पहले राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने खुद नवंबर में होने वाले अमेरिकी राष्ट्रपति पद के चुनावों को टालने का सुझाव दिया। इन प्रतिबंधों का मतलब है कि अमेरिका में इन संगठनों और व्यक्तियों की किसी भी संपत्ति को कुर्क किया जा सकता है और अमेरिकियों के उनके साथ व्यापार करने की मनाही होगी। उइगर मुस्लिमों के खिलाफ कथित अत्याचार के लिए शिनजियांग प्रोडक्शन एंड कंसट्रक्शन कोर्प, उसके कमांडर पर प्रतिबंध लगाए गए हैं।